नए कोर्स के साथ आगे बढ़ेगा डीएवीवी

01/05/2024

स्थापना दिवस से पूर्व देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की पहली महिला कुलपति डॉ. रेणु जैन से पत्रिका की खास चर्चा

इंदौर. 01 मई को देवी अहिल्या विश्वविद्यालय अपना 61वां स्थापना दिवस मनाएगा। इससे पूर्व पत्रिका ने कुलपति डॉ. रेणु जैन से विशेष चर्चा कर विश्वविद्यालय की उपलब्धियों के साथ ही आगामी कार्ययोजना और पाठ्यक्रमों के विस्तार पर बातचीत की। डॉ. जैन के कार्यकाल को चार साल होने वाले है। देवी अहिल्या विश्व विद्यालय के इतिहास में पिछले 24 वर्षों में ऐसा पहली बार होगा जब कोई कुलपति अपने कार्यकाल के 4 साल पूरे करेगा। डॉ. जैन देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की पहली महिला कुलपति भी हैं। **उनसे चर्चा के प्रमुख अंश...**

सवाल : 4 वर्ष का आपका कार्यकाल पूरा होने जा रहा है, कैसा अनुभव रहा आपका ?

जवाब : काफी अच्छा अनुभव रहा है। यूनिवर्सिटी के टीचर्स और एम्प्लाइज का भी बहुत सहयोग मिला। अपने कार्यकाल के दौरान मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला और इंदौर की जनता ने भी स्नेह से नवाजा।

सवाल : स्पोर्ट्स को बढ़ावा देने के लिए आपने क्या ठोस कदम उठाएं ?

जवाब : हमारे विश्वविद्यालय का स्पोर्ट्स विभाग पहले से ही काफी अच्छा है। इस वर्ष हमने नेशनल लेवल पर कई खेलो का आयोजन किया, जिसमें कुश्ती, बैडमिंटन भी शामिल थे। इस आयोजन में पहली बार 125 से ज्यादा टीम आई थी, इस बार विवि के विद्यार्थियों ने 11 पुरस्कार भी जीते हैं।

सवाल : विवि में कौन-कौन से नए कोर्स की शुरुआत हुई है और कितने विकास कार्यों की सौगात मिली है ?

जवाब : डीएवीवी का मास्टर प्लान विचाराधीन है, जिसके तहत भविष्य में नए भवन बनाए जाएंगे, हम प्रत्येक वर्ष नए नए कोर्स की शुरुआत करते हैं। इस वर्ष हमने साइबर सिक्युरिटी, फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी और लॉजिस्टिक्स कोर्स की शुरुआत की है।

सवाल : युवाओं में नशाखोरी बढ़ रही है, इस पर रोक कैसी लग सकती है?

जवाब : आज के समाज की ज्वलंत समस्या है नशा। नशे के विरोध में हम लगातार जागरूकता कार्यक्रम करते रहते हैं। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से विद्यार्थी लगातार समाज को जागरूक करने का कार्य करते रहते हैं। मैं युवाओं से अपील करना चाहती हूं कि वे नशे से हमेशा दूरी बनाकर रखें और अपने कॅरियर पर ध्यान दें।

#DAVV: आज विश्वविद्यालय अपनी स्थापना के 60 वर्ष कर रहा पूर्ण, 8 कोर्स से शुरू हुआ अब 150 से ज्यादा

सबसे पहले इंटरनेट से ऑनलाइन कक्षाओं की शुरुआत करने वाले डीएवीवी में होगी सेमी कंडक्टर डिजाइन चिप पर रिसर्च

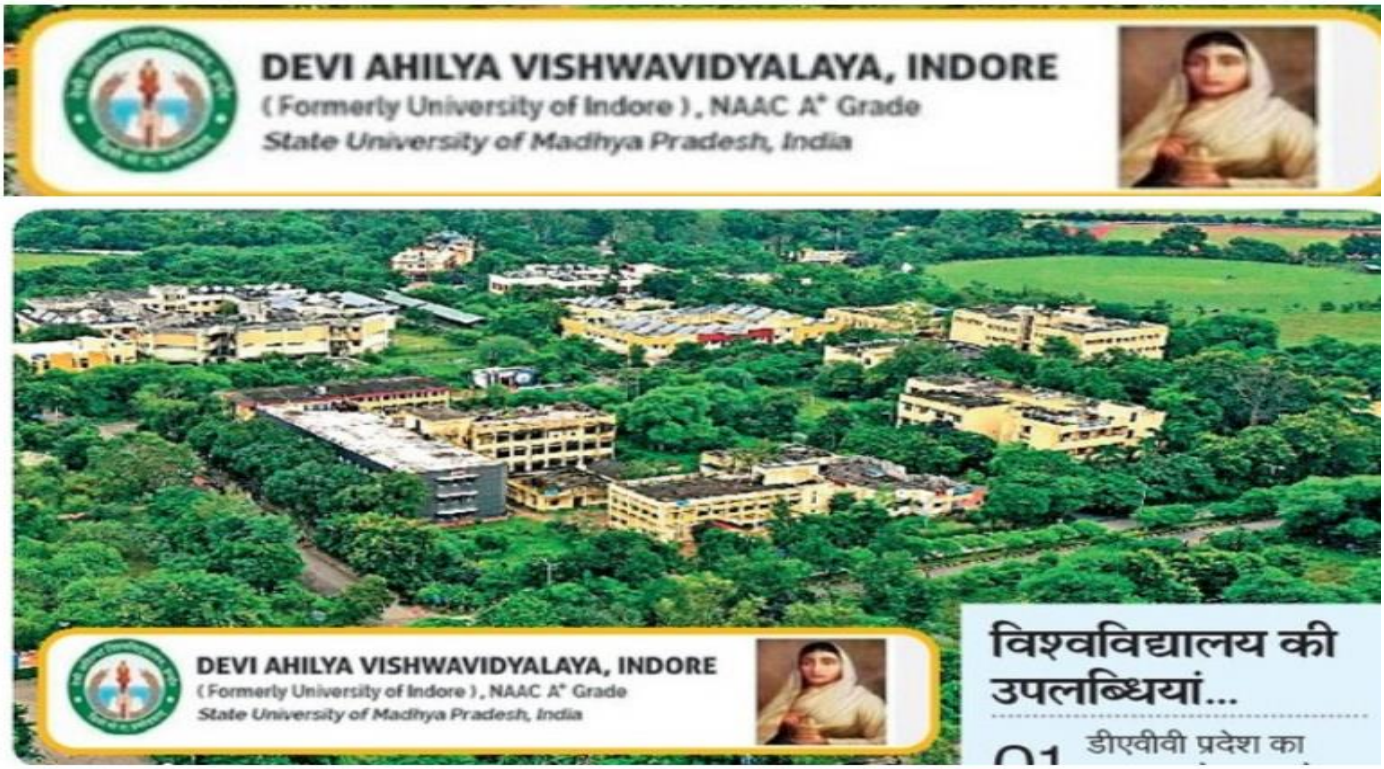

01/05/2024

इंदौर. देवी अहिल्या विश्वविद्यालय (डीएवीवी) आज अपने 61वें वर्ष में प्रवेश करने जा रहा है। 1 मई 1964 में यूटीडी की शुरुआत 5 विभाग और 8 कोर्स के साथ हुई थी। वर्तमान में 31 विभाग और 150 से ज्यादा कोर्स संचालित हो रहे हैं। पहले सिर्फ स्नातकोत्तर के ही पाठ्यक्रम चलते थे। 90 के दशक में इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रम प्रारंभ किए गए। विश्वविद्यालय की शुरुआत के बाद कुछ विभागों को कर्ज लेकर बनाया गया था, इसके बाद उस लोन को चुकाया गया। आज यही विश्वविद्यालय प्रदेश में सबसे ज्यादा प्लेसमेंट के साथ पैकेज देने वाला बन गया है। वहीं, 61वें वर्ष में सेमी कंडक्टर चिप पर रिसर्च के साथ नया अध्याय भी जुड़ने की तैयारी है।

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

विश्वविद्यालय की उपलब्धियां...

01. डीएवीवी प्रदेश का पहला ए ग्रेड व ए ग्रेड प्राप्त करने वाला विश्वविद्यालय है।

02. देश में स्वावित्त के आधार पाठ्यक्रम प्रारंभ करने वाला भी पहला विश्विद्यालय है।

03. वर्तमान में लगभग 270 संबद्ध महाविद्यालय में 3 लाख से अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत।

04. प्रदेश में सबसे अधिक प्लेसमेंट के साथ सबसे अधिक पैकेज देने वाला डीएवीवी।

05. विवि में पढ़ने वाले एक विद्यार्थी को मिला 1.5 करोड़ का पैकेज।

06. विश्वविद्यालय ने ताइवान के 6 टॉप यूनिवर्सिटी के साथ किया एमओयू।

07. सेमी कंडक्टर चिप डिजाइन रिसर्च पर काम होगा शुरू।

08. 31 विभाग में 150 से ज्यादा कोर्स हो रहे संचालित।

09. अत्याधुनिक इंटरनेशनल हॉस्टल का होगा निर्माण।

10. आइआइपीएस, आइएमएस व डेटा साइंस के भवन तैयार होंगे।

वर्ष 1986 में जब मैंने ज्वाइन किया था तब विवि में बहुत कम डिपार्टमेंट थे। तक्षशिला में सिर्फ एक विज्ञान भवन और आरएनटी मार्ग पर मैनेजमेंट स्टडी था। विज्ञान भवन में फिजिक्स मैथमेटिक्स के अलावा दो विषय और थे। फिर लाइब्रेरी के एक भाग में कम्प्यूटर सेंटर खुला। एमसीए, एमएससी प्रोग्राम शुरू किया। उस समय डीआरडीओ ने रिस्पांस किया था। फिर धीरे-धीरे एक-एक बिल्डिंग बनती गई और डिपार्टमेंट खुलते गए। विद्यार्थियों का कारवां बढ़ता गया। सन 1991 में आइआइपीएस की शुरुआत हुई। उस समय जितने लोग कंप्यूटर सेंटर में काम करते थे पढ़ाने जाते थे। कंप्यूटर सेंटर में बड़ी-बड़ी मशीनें आई। मेन फ्रेम डीएवीवी के पास हुआ करते थे, जो पूरे भारत में कुछ चुनिंदा जगह पर थे। बच्चों का जब प्लेसमेंट देखती थी, तब जंगल हुआ करता था। लड़कियों को गेट तक छोड़ने के लिए टीचर्स जाते थे। ज्यादा प्लेसमेंट होने के कारण विवि का नाम बढ़ता गया। एक समय था जब मध्यप्रदेश के अलावा दिल्ली, हैदराबाद, कोलकता सहित भारत के कई राज्यों से विद्यार्थी अध्ययन करने आते थे। इंटरनेट भी सबसे पहले डीएवीवी में ही लगा था। आरएनटी मार्ग वाले कैंपस में पहले मैनेजमेंट, इकोनॉमी, फॉरेन व रसियन लैंग्वेज का कोर्स संचालित होता था। तक्षशिला का दायरा बढ़ने के बाद सभी कोर्सेस वहां शिफ्ट हो गए। इंदौर विश्वविद्यालय में मेडिकल कॉलेज, एसजीएसआइटीएस जैसे कॉलेज जुड़े थे। फिर धीरे-धीरे बदलाव होता गया और एसजीएसआइटीएस अलग हो गया। मेडिकल कॉलेज जबलपुर से संबद्धता रखने लगा। हाल ही में खरगोन यूनिवर्सिटी बनने से 33 कॉलेज और कट गए।
(डॉ. माया इंगले, डीडीयूटी डायरेक्टर डीएवीवी)

छात्र नेताओं की पहली पसंद रहा विवि

इएमआरसी के प्रभारी डॉ. चंदन गुप्ता ने बताया कि डीएवीवी ने विज्ञान, कला, वाणिज्य, इंजीनियरिंग, कानून, चिकित्सा और शिक्षा सहित विभिन्न विषयों में उत्कृष्टता प्राप्त की है। विश्वविद्यालय ने कई प्रसिद्ध विद्वान, वैज्ञानिक, इंजीनियर, डॉक्टर, वकील और शिक्षक दिए हैं। शहर के कई नेताओं ने डीएवीवी में ही पढ़ाई की है। वे आज देश के प्रमुख राजनीतिक दलों में बड़े दायित्व संभाल रहे हैं। सितंबर 2023 में 'आरबीआइ गवर्नर भी डीएवीवी आए थे।

एक समय था जंगल, अब देशभर में पहचान

डीजी डॉ. दयाल : विवि से रहा अहम जुड़ाव

वर्तमान में तमिलनाडु के जेल विभाग के महानिदेशक के तौर पर सेवाएं दे रहे डॉ. महेश्वर दयाल ने 1993 में डीएवीवी से एमबीए और फ्यूचर स्टडीज में एमफील किया। वे तमिलनाडु, हरियाणा पुलिस में रहने के साथ ही सीआइएसएफ में ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी, नागरिक सुरक्षा विमान ब्यूरो और सीआरपीएफ में रहे है। डीजी डॉ. दयाल कहते हैं, मैं भी हरियाणा का रहने वाला हूं। कॉम्प्रीशन में मेरा भी सिलेक्शन डीएवीवी के लिए हो गया और मैं आगे की पढ़ाई के लिए यहां आ गया। अपनी कामयाबी का एक दौर मैंने इसी डीएवीवी में बिताया है इसलिए यहां से जुड़ाव हमेशा रहेगा।